Lecture Series

"Transformative Change - Sustainable Outcome"

असरदार परिवर्तन - टिकाऊ परिणाम

Lecture on "HIV challenges and Response in Africa and Asia"
by Shri Alankar Malviya, Senior Regional Advisor, Eastern and Southern Africa, UNAIDS

4th Jan., 2020

एचआईवी से बचाव के लिये जरूरी है जागरूकता

यूएन एड्स के एडवाइजर मालवीय ने व्याख्यान-माला को किया संबोधित

भोपाल, 4 जनवरी. एचआईवी की जाँच के लिये जागरूकता जरूरी है. इसे छिपाने पर यह महामारी का रूप ले सकती है. यूएन एड्स के सीनियर रीजनल एडवाइजर ईस्टर्न

छिपाने पर महामारी का ले सकती है रूप

एण्ड साउथ अफ्रीका अलंकार मालवीय ने अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान (एआईजीजीपीए) में व्याख्यान-माला असरदार परिवर्तन-टिकाऊ परिणाम में एचआईवी चेलेंजेस एण्ड रिस्पांस इन अफ्रीका विषय पर विचार व्यक्त करते हुए यह बात कही. संस्थान के महानिदेशक आर परशुराम ने भी विचार व्यक्त किये.

मालवीय ने बताया कि साउथ अफ्रीका में लगभग 400 नए लोगों को एचआईवी संक्रमण प्रति सप्ताह हो जाता है. मालवीय ने दक्षिण अफ्रीका के लेसेथो और स्वाजीलैण्ड में एड्स की गंभीर स्थिति के बारे में जानकारी दी. उन्होंने कहा कि सेक्स वर्कर्स का नियमित रूप से एचआईवी टेस्ट होना चहिए.मालवीय ने बताया कि इस रोग के फैलने के मुख्य कारण सेक्स वर्कर, ड्रग इंजेक्शन और समलैंगिक संबध हैं. उन्होंने बताया कि भारत में एड्स से बचाव और उसके उपचार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. दक्षिण अफ्रीका में अभी इस क्षेत्र में बहुत काम करने की जरूरत है. इस दौरान मुख्य सलाहकार एमएम उपाध्याय एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे.

एचआईवी से बचाव के लिए जरूरी है जागरूकता

एआईजीजीपीए में व्याख्यान-माला में यूएन एड्स के एडवाइजर मालवीय ने कहा

भोपाल, (एजेंसी)। यूएन एड्स के सीनियर नल एडवाइजर ईस्टर्न एंड साउथ अफ्रीका कार मालवीय ने कहा कि एचआईवी की के लिए जागरूकता जरूरी है। इसे छिपाने यह महामारी का रूप ले सकती है।

श्री मालवीय ने यह बात शनिवार को अटल री वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण ान (एआईजीजीपीए) में व्याख्यान-माला रदार परिवर्तन-टिकाऊ परिणाम' में आईवी चेलेंजेस एंड रिस्पांस इन अफ्रीका' पर विचार व्यक्त करते हुए कही। उन्होंने ा कि साउथ अफ्रीका में लगभग 400 नए को एचआईवी संक्रमण प्रति सप्ताह हो जाता उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लेसेथो और स्वाजीलैंड में एड्स की गंभीर स्थिति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सेक्स वर्कर्स का नियमित रूप से एचआईवी टेस्ट होना चहिए। इस रोग के फैलने के मुख्य कारण सेक्स वर्कर, ड्रग इंजेक्शन और समलैंगिक संबंध हैं। उन्होंने बताया कि भारत में एड्स से बचाव और उसके उपचार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका में अभी इस क्षेत्र में बहुत काम करने की जरूरत है। इस दौरान मुख्य सलाहकार एमएम उपाध्याय एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सीनियर रीजनल एडवाइजर ईस्टर्न एंड साउथ अफ्रीका (यूएनएआईडीएस) अलंकार मालवीय ने अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में असरदार परिवर्तन, टिकाऊ परिणाम व्याख्यान माला को संबोधित किया।

एचआईवी से बचाव के लिए जरूरी है जागरूकता

एआईजीजीपीए में व्याख्यानमाला में यूएन एड्स के एडवाइजर मालवीय

भोपाल (काप्र)।

एचआईवी की जाँच के लिये जागरूकता जरूरी है। इसे छिपाने पर यह महामारी का रूप ले सकती है।

यूएन एड्स के सीनियर रीजनल एडवाइजर ईस्टर्न एण्ड साउथ अफ्रीका अलंकार मालवीय ने अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान (एआईजीजीपीए) में व्याख्यान-माला असरदार परिवर्तन-टिकाऊ परिणाम में 'एचआईवी चेलेंजेस एण्ड रिस्पांस इन अफ्रीकाज्ज विषय पर विचार व्यक्त करते हुए यह बात कही। संस्थान के महानिदेशक आर परशुराम ने भी बिचार व्यक्त किये।

श्री मालवीय ने बताया कि साउथ अफ्रीका में लगभग 400 नए लोगों को एचआईवी संक्रमण प्रति सप्ताह हो जाता है। श्री मालवीय ने दक्षिण अफ्रीका के लेसेथो और स्वाजीलैण्ड में एड्स की गंभीर स्थिति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सेक्स वर्कर्स का नियमित रूप से एचआईवी टेस्ट होना चहिए। श्री मालवीय ने बताया कि इस रोग के फैलने के मुख्य कारण सेक्स वर्कर, ड्रग इंजेक्शन और समलैंगिक संबध हैं। उन्होंने बताया कि भारत में एड्स से बचाव और उसके उपचार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका में अभी इस क्षेत्र में बहुत काम करने की जरूरत है। इस दौरान मुख्य सलाहकार एम.एम. उपाध्याय एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

AWARENESS ESSENTIAL FOR HIV CHECK UP

Bhopal: Awareness is essential for HIV check up. It can take the form of an epidemic if kept hidden. This was expressed by the Senior Regional Advisor, UN AIDS Eastern and South Africa, Alankar Malviya during a lecture on the topic 'HIV Challenges and Response in Africa' at the lecture series 'Effective Change-Sustainable Results' held at the Atal Bihari Vajpayee Institute of Good Governance and Policy Analysis (AIGGPA). The Director General of the Institute R.Parhuram also expressed his views on the occasion.

Malviya informed that about 400 new people become victim of HIV infection every week in South Africa. He briefed about the grim AIDS situation in Lesotho and Swaziland of South Africa. He said that HIV test of sex workers should be conducted regularly.

Shri Malaviya said that the main reasons for the spread of the disease are sex workers, drug injections and homosexual relationships. He said that special attention is being given to AIDS prevention and treatment in India. South Africa yet to do lot more work in this field. The Chief Advisor MM Upadhyaya along with other officers and staff were present on the occasion.